लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ

दिनांक 31 अगस्त, 2017 की सम्पन्न हुई आकस्मिक कार्य परिषद बैठक की कार्यवाही का कार्यवृत्त

उपस्थिति

1. प्रो0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह, कुलपति	–	अध्यक्ष
2. प्रो0 उपेन्द्र नाथ द्विवेदी, प्रतिकुलपति	–	सदस्य
3. प्रो0 कीर्ति सिन्हा	–	सदस्य
4. प्रो0 राकेश कुमार सिंह	–	सदस्य
5. प्रो0 अमिता कन्नौजिया	–	सदस्य
6. प्रो0 कविराज	–	सदस्य
7. प्रो0 राजा राम यादव	–	सदस्य
8. प्रो0 बालक दास	–	सदस्य
9. प्रो0 वाई0के0 शर्मा	–	सदस्य
10. डॉ0 चन्द्र प्रकाश सिंह	–	सदस्य
11. डॉ0 शरद कुमार	–	सदस्य
12. डॉ0 देव नरायन श्रीवास्तव	–	सदस्य
13. प्रो0 सुनील दत्त शर्मा	–	सदस्य
14. प्रो0 आभा अवस्थी	–	सदस्य
15. डॉ0 श्याम बाबू गुप्ता	–	सदस्य
16. प्रो0 राज कुमार सिंह, कुलसचिव	–	सचिव

सर्वप्रथम मा0 कुलपति महोदय ने सभी मा0 सदस्यों का स्वागत किया और बैठक में अपना कार्यकाल पूरा करने वाले सदस्य 1.प्रो0 नन्द लाल भारती, लोक प्रशासन विभाग2. डॉ0 अवधेश कुमार, वाणिज्य विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के योगदान एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। परिषद के नवागत सदस्य 1.प्रो0 अमिता कन्नौजिया,जन्तु विज्ञान विभाग लखनऊ, विश्वविद्यालय लखनऊ 2.डॉ0 देव नरायन श्रीवास्तव विधि विभाग, लखनऊ, विश्वविद्यालय लखनऊ का बैठक में स्वागत किया। तत्पश्चात् मा0 कुलपति/अध्यक्ष महोदय ने कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक आहूत किए जाने के औचित्य के विषय में सदन को अवगत कराया कि विगत वर्ष मात्र 5 महीने का बजट सदन से अनुमोदित हुआ था, जिसके कारण वर्तमान में शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन निर्गत किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा था, जिस कारण वित्त समिति की बैठक दिनांक 28.08.2017 को आहूत कराई गई, तत्पश्चात वित्त समिति की संस्तुतियों को मा0 कार्यपरिषद सदस्यों के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जा रहा हैं, कार्यपरिषद अध्यक्ष ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय को शासन द्वारा दी जाने वाली अनुदानित आय से अनुमानित व्यय ज्यादा होने के कारण आय–व्यय का अंतर रु0 47,18,14,000 मात्र अतिरिक्त अनुदान प्राप्त करनें हेतु

Scanned by CamScanner

शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया जाना होगा। मा0 अध्यक्ष कार्यपरिषद/कुलपति द्वारा सदन को आश्वस्त करते हुए यह बताया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष से यह मेरा प्रयास रहेगा कि बजट को नियमित रुप से 31 मार्च तक अनुमोदित करा लिया जाए।

बैठक की कार्यवाही आरम्भ करने से पूर्व मा0 अध्यक्ष कार्यपरिषद द्वारा सचिव कार्यपरिषद को लखनऊ विश्वविद्यालय के लेखाधिकारी श्री उदय कुमार को कार्यवाही आरम्भ करने हेतु समिति कक्ष में उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए, तद्पोरान्त बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई।

विनिश्चय सं0 01 बैठक में दिनांक 24.04.2017 की सम्पन्न वित्त समिति की बैठक के कार्यवृत्त की समस्त माननीय सदस्यों द्वारा सम्पुष्टि की गई।

विनिश्चय सं002(क)(1)लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 का आयोजनेत्तर पक्ष में कुल अनुमानित आय रु0 1,19,70,18,000/–(उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त अनुदान को सम्मिलित करते हुए) के सापेक्ष कुल अनुमानित व्यय 1,66,88,32,000/– मात्र का आय–व्ययक प्रस्तुत किया गया जिस पर सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। साथ ही अतिरिक्त अनुदान आय–व्यय के अन्तर रु0 47,18,14,000/– मात्र को प्राप्त करने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजे जाने पर कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं002(क)(2)परिषद द्वारा स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम में कुल आय रु0 40,29,27,000/– के सापेक्ष कुल व्यय रु0 37,99,82,275/– गात्र का आय–व्यय में उपकरण,वृहद निर्माण,निष्प्रयोज्य वाहनों के सापेक्ष नए वाहनों के क्रय पर भी सर्वसम्मति से कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं002(क)(3)वित्त समिति द्वारा प्रस्तुत आयोजनागत पक्ष में कुल रु0 4,59,43,45,562/– मात्र की प्रस्तुत कार्य येाजानाओं में सदन द्वारा द्वितीय परिसर में 500 सीटों की क्षमता के स्थान पर 1000 सीटों की क्षमता का आडिटोरियम तथा विश्वविद्यालय प्रथम परिसर में 1000 सीटों के स्थन पर 1500 सीटों की क्षमता का आडिटोरियम का आगणन तैयार करने के निर्देश पर सदन द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई,साथ ही आयोजनागत आय–व्ययक पर उक्त संशोधन के साथ समस्त मा0 सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

साथ ही अध्यक्ष कार्यपरिषद द्वारा सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए यह बताया गया कि उक्त धनराशि से

Scanned by CamScanner

साथ ही अध्यक्ष कार्यपरिषद द्वारा सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए यह बताया गया कि उक्त धनराशि से लखनऊ विश्वविद्यालय नवीन परिसर में पं0 दीनदयाल उपाध्याय के नाम का प्रवेश द्वार बनवाया जाएगा,जिस पर कार्यपरिषद सदस्या सुश्री प्रो0 आभा अवस्थी द्वारा यह बताया गया कि पूर्व में नवीन परिसर का शिलान्यास कराते समय ततकालीन कुलपति प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी द्वारा पूर्व राज्यपाल बी0 सत्यनारायन रेड्डी के नाम का शिलापट रखा गया था, जिसकी छायाचित्र मेरे पास मौजूद हैं,उसकी जानकारी की जाए तथा शिलापट न मिलने की स्थिति में छायाचित्र के आधार पर नया शिलापट बनवाकर स्थापित किया जाए,जिस पर अध्यक्ष कार्यपरिषद द्वारा मा0 सदस्या से. छायाचित्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

विनिश्चय सं002(क)(4) वित्त समिति द्वारा प्रस्तुत विकास निधि का आय–व्ययक जिसमें स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों की बचत एवं विकास मद में हस्तांतरण के फलस्वरुप एकत्रित धनराशि रु0 16,46,92,000/– मात्र के सापेक्ष रु0 16,46,63,000/– मात्र के प्रस्ताव पर कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं002(क)(5) समिति द्वारा प्रस्तुत अभियांत्रिकी संकाय के प्रस्तुत आय–व्ययक पर कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं0 02(ख)(1) समिति द्वारा प्रस्तुत लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कला एंव शिल्प महाविद्यालय द्वारा तैयार किया गया वित्तीय वर्ष 2017–18 का आयोजनेत्तर/आयोजनागत/स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम का आय–व्ययक के अन्तर्गत क्रम सं0 01, 02 तथा 03 पर समग्र विचारोपरान्त कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

वित्त समिति द्वारा प्रस्तुत मा0 अध्यक्ष महोदय की सहमति से अन्य बिन्दु

विनिश्चय सं0 01 लखनऊ विश्वविद्यालय मे संचालित इंजीनियरिंग संकाय (बी0टेक0) में छात्र–छात्राओं से लिया जाने वाला शुल्क रु0 80,000/– प्रतिवर्ष पर सदन द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान किया गया।

विनिश्चय सं0 02 परिषद द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु वाहन भत्ते को रु0 50/– प्रति 50 उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर रु0 100/– प्रति 50 उत्तर पुस्तिकाओं एंव अवकाश के दिनों में कक्ष निरीक्षक एंव सचल दल के लिए स्वीकृति धनराशि रु0

Scanned by CamScanner

विनिश्चय सं0 03 परिषद द्वारा एम0बी0ए0 पॉचवर्षीय पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं से लिया जाने वाला शुल्क (MBA 5 year 1-6 Semester Rs. 30,000 and for 7-10 Semester Rs. 75,000) प्रति सेमेस्टर लिए जाने पर सदन द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं0 04 परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2017 मे प्रवेशित छात्र–छात्राओं से बी0ए0 आनर्स पाठ्यक्रम में रु0 15,000 /– प्रति सेमेस्टर लिए जाने पर सदन द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं0 05 समिति द्वारा प्रस्तुत वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2017–18 में एम0ए0 (शिक्षा शास्त्र ,मनोविज्ञान एंव अर्थशास्त्र) विभाग में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में लिये जाने वाले शुल्क परास्नातक स्तर पर शिक्षाशास्त्र, एवं मनोविज्ञान रु0 25,000/– तथा अर्थशास्त्र में रु0 18,000/– लिए जाने पर सदन द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं0 06. समिति द्वारा प्रस्तुत बी0एल0एड0 04 वर्षीय पाठ्यक्रम जो कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2017–18 से लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रारम्भ किए जाने के शुल्क को प्रथम वर्ष रु0 40,000 एंव द्वितीय वर्ष रु0 30,000 इसके उपरान्त प्रतिवर्ष रु0 25,000 इस प्रकार कुल शुल्क रु01,20,000 निर्धारित किए जाने पर सदन द्वारा सर्वसम्मति से कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विनिश्चय सं0 07 समिति द्वारा प्रस्तुत लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक/ परास्नातक /प्रबंधकीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तैयार किए गए आय–व्ययक अनुमान जिस पर मा0 कुलपति महोदय की स्वीकृति दिनांक 22.05.2017 पर सदन द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

अन्त में अध्यक्ष महोदय ने समस्त मा0 सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभा की समाप्ति की घोषणा की।

प्रो0 आर0के0सिंह
कुलसचिव/सचिव

प्रो0 एस0पी0सिंह
कुलपति/अध्यक्ष

Scanned by CamScanner